

**प्रेस विज्ञप्ति**

**आईआईएम अहमदाबाद का आरटीई संसाधन केंद्र अपने 6वेँ संस्करण के लिए पहली बार ई-विंटर स्कूल की मेजबानी करेगा**

****

(छवि अनुशीर्षक-विंटर स्कूल के प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए पत्रकार रवीश कुमार)

**28 अक्टूबर, 2020 | अहमदाबाद**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र (आरटीईआरसी) 2 से 10 जनवरी, 2021 के दौरान अपने प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम **विंटर स्कूल** के 6वें संस्करण की मेजबानी करने के लिए सज्ज है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक नीति और सामाजिक परिवर्तन लाने में शिक्षा की भूमिका की ओर प्रतिभागियों को उन्मुख कराना है।

विंटर स्कूल का आइडिया है कि हमारे समाज में मौजूद शिक्षा, सामाजिक अलगाव और सत्ता की संरचनाओं के बारे में प्रभावी आइडियाओं को समझने तथा इन्हें चुनौती देने के लिए व्यक्तियों के लिए एक मंच निर्मित करना है। यह सह-निर्मित स्थान *सामुदायिक ज्ञान का महत्त्व, सामाजिक कार्य बनाम सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा के प्रतिपादन, सामाजिक नीति और अभ्यास, भागीदारी अनुसंधान,* और *शिक्षा के आसपास राजनीतिक-सांस्कृतिक गतिशीलता* जैसे विषयों पर चर्चा करने का प्रयास करता है।

इस वर्ष के विंटर स्कूल का विषय ’शिक्षा में असमानता’ है, जिसके माध्यम से कार्यक्रम द्वारा युवा नेताओं को यह समझने और विश्लेषण करने में सक्षम बनाया जाएगा कि शिक्षा और आजीविका में असमानता कैसे होती है, विशेषकर महामारी के कारण उत्पन्न असमानता।

कोविड महामारी, सुरक्षा और यात्रा पर प्रतिबंध के कारण, इस वर्ष के विंटर स्कूल के प्रतिभागी पूरी तरह से आभासी तरीके से 9-दिन के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगे। संस्थान के सम्मानित प्राध्यापक और भारत भर के विभिन्न अन्य गणमान्य व्यक्ति प्रतिभागियों के लिए अभिविन्यास कक्षाएँ चलाएंगे। अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को नीति और उनके आसपास के सामाजिक समीकरणों को समझने के लिए उपकरणों का एक बुनियादी स्थापन प्रस्तुत करना है। विंटर स्कूल के पिछले संस्करणों में आईआईएम अहमदाबाद के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों के अलावा, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया; पत्रकार रवीश कुमार; डॉक्टर अनंत मारिंगांति, हैदराबाद अर्बन लैब के कार्यकारी निदेशक; आतिशी मार्लेना, शिक्षक और दिल्ली से विधायक; अनिल स्वरूप, आईएएस तथा भारत सरकार के पूर्व सचिव और लेखक; न्यायमूर्ति आर.ए. मेहता और अन्य जैसे देश भर के गणमान्य लोगों के व्याख्यान चलाए गए थे।

इस अभिविन्यास कार्यक्रम के बाद, प्रतिभागी अपनी पसंद की नीति चुनेंगे और इसी नीति से संबंधित अपनी पसंद के संगठन के बारे में एक व्यावहारिक अनुभव करेंगे। इस व्यावहारिक अनुभव (प्रैक्टिकम) को आदर्श रूप से बीस दिन लगेंगे। प्रतिभागियों से आरटीईआरसी को एक रिपोर्ट भेजने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें उन्होंने आईआईएमए से प्रमाण पत्र अर्जित करने के लिए जो कार्य किए हैं उनका विवरण देना होगा। इस वर्ष, आभासी माध्यम का लाभ उठाते हुए, प्रतिभागियों को अनुसंधान और तैयारी के दौरान एक-दूसरे के साथ जुड़ना जारी रखना होगा, और निष्कर्ष पर अपने काम को प्रस्तुत करना होगा। पिछले प्रतिभागियों के कार्यों में दिल्ली राज्य सरकारी स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) का क्षमता निर्माण, मुंबई में रात्रि स्कूल, गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा संचालन तथा सामना की गई समस्याएँ, आश्रय गृह आदि शामिल थे।

*अभिनव सिंह ने अपने विंटर स्कूल के अनुभव का वर्णन करते हुए लिखा, “मेरे लिए, विंटर स्कूल मेरे दृष्टिकोण में बदलाव लाने का कारण बना है। मुझे विभिन्न सामाजिक और नीतिगत मुद्दों पर बहुत सारे सैद्धांतिक ज्ञान, तथ्य, केस अध्ययन आदि की उम्मीद थी। कार्यक्रम ने यही प्रस्तुत भी किया और उससे भी अधिक की पेशकश की। मैं यह जान पाया कि विंटर स्कूल का असली सार गतिविधियाँ, सत्र, वार्तालाप और वे लोग थे जिनसे मेरा संपर्क हुआ, और इस अनुभव से सामाजिक जागरूकता पर मेरा अपना दृष्टिकोण पूरी तरह से बदल गया।”*

*गणेश वी, आरटीईआरसी के समन्वयक, आईआईएमए ने कहा, “कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को नीति में आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान करना और समाज पर इसके प्रभाव को दर्शाना है। आयोजन के अंतिम संस्करण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में आवेदनों में से 80 व्यक्तियों का चयन किया गया था। विंटर स्कूल को भारत के सभी कोनों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी मिले हैं।"*

*प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन, सार्वजनिक प्रणाली समूह और संकाय सलाहकार, आरटीईआरसी, आईआईएमए ने बताया, "एक बड़े कार्रवाई अनुसंधान प्रयास के हिस्से के रूप में, विंटर स्कूल पूरे भारत से प्रतिभागियों को खींच लाता है और बहिष्कृत और हाशिए के समूहों के परिप्रेक्ष्य से सार्वजनिक नीति को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण छात्र पहल है।”*

इस कार्यक्रम में आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर, 2020 है, और इस पर अधिक विवरण संसाधन केंद्र के फेसबुक पेज पर देखे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया आरटीईआरसी के फेसबुक पेज पर जाएँ :

<https://www.facebook.com/IIMA.RTERC/>

कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए प्रतिभागी गूगल फॉर्म लिंक भी भर सकते हैं :

[https://forms.gle/fihEk9Ni9pXBQ8Ww5](https://forms.gle/fihEk9Ni9pXBQ8Ww5?fbclid=IwAR2G2R3f3oXRP6bueCJYFulZ1Servdu_s35bAVvxzCFyRE1HzWUoRLxkP7I)

**- विषयांत -**

**मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें :**

गणेश वी.

समन्वयक, आरटीई संसाधन केंद्र (पीजीपी-2)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

फोन : (सेल) +91-8301979610

ईमेल : [p19ganeshv@iima.ac.in](mailto:p19ganeshv@iima.ac.in)

गोल्डी अदमान

मीडिया सचिव (पीजीपी-2)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

फोन : (सेल) +91-7758962987

ईमेल : [p19goldy@iima.ac.in](mailto:p19goldy@iima.ac.in)